राष्ट्रीय प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम

नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के अंतर्गत मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय, जबलपुर में एक दिवसीय ऑनलाईन राष्ट्रीय प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम सजावटी मत्स्य पालन में उद्यमिता विकास अवसर पर आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अंतर्गत हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड द्वारा पोषित किया गया है। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) सीता प्रसाद तिवारी जी की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटान में सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता संकाय एवं महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आर.पी. एस. बघेल द्वारा स्वागत उद्धबोधन दिया गया एवं बताया गया कि रंगीन मछलियों से वातावरण अच्छा हो जाता है एवं मन को सुकून मिलता है। इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. माधुरी शर्मा द्वारा कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया गया। इसके पश्चात मुख्य अतिथि डॉ. बी.पी. मोहंती एडीजी (अंतर्देशीय मत्स्य पालन) आई.सी.ए.आर. नई दिल्ली ने कहा कि रंगीन मछली पालन व्यवसाय में अपार संभावनाएं है। इस व्यवसाय को अपनाकर युवा व महिलाएँ आत्म–निर्भर बन सकते है। इस कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि एवं मुख्य वक्ता डॉ. एस.के. स्वैन निर्देशक, सीफा, भुवनेश्वर, उड़ीसा द्वारा रंगीन मात्स्यिकी में उद्यमिता विकास की संभावनाएं विषय पर व्याख्यान दिया। मध्यप्रदेश में सीफा के सहयोग से रंगीन मछली पालन में कार्य किया जा रहा है। विशिष्ठ अतिथि प्रो. (डॉ.) एस.के. जोशी, कुलसचिव, ना.दे. प.चि.वि.वि. जबलपुर (म.प्र.) द्वारा अपने उद्बोधन में बताया कि मध्यप्रदेश की वातावरणीय परिस्तिथियॉ रंगीन मछली पालन के लिए उपयुक्त है। इस व्यवसाय को बढ़ाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में सम्मानीय अतिथि श्री भरत सिंह, प्रभारी निदेशक, मत्स्य पालन विभाग एम.पी. द्वारा ने बताया कि रंगीन मछली के क्षेत्र में जागरूकता अभियान चल रहे है। एवं सीफा से जयंती रोहू को लाकर मध्यप्रदेश में उसका प्रजनन करवाया जा रहा है। कार्यक्रम में विशेष उपस्थिति श्री के.एल. मरावी, प्रभारी संयुक्त निदेशक मत्स्य पालन, जबलपुर संभाग की रही। कार्यक्रम में देश के चार प्रख्यात

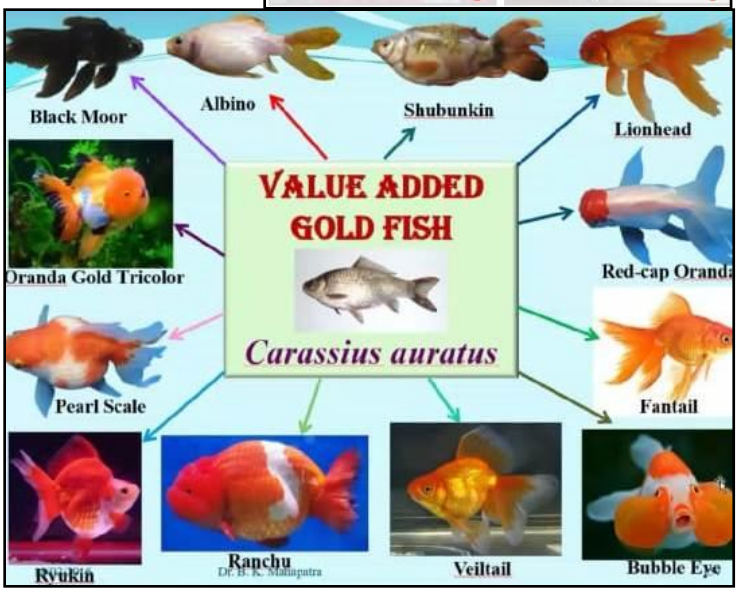

वैज्ञानिक में डॉ. बी.के. महापात्रा प्रधान वैज्ञानिक, आई.सी.ए.आर., सीफा ई.एफ.ई., कोलकाता केंद्र द्वारा भारत की कुछ व्यावसायिक महत्व की सजावटी मछलियां के बारे में विस्तार से चर्चा की गयी, डॉ. अर्चना सिन्हा प्रधान वैज्ञानिक, सी.आई.एफ.आर.आई., वैरकपुर, कोलकाता द्वारा भारत में सजावटी मछली विपणन की स्थिति, डॉ. बी. अहिलन, डीन डॉ. एम.जी.आर. फिशरीज कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, पोन्नेरी द्वारा भारत की स्वदेशी सजावटी मछलियां की स्थिति और संभावनाएं एवं डॉ. श्याम दाना प्रोफेसर और प्रमुख मत्स्य विस्तार विभाग, डब्ल्यू. बी.यू.ए.एफ.एस., कोलकाता ने सजावटी मत्स्य पालन में उद्यमिता की आवश्यकता के बारे में प्रकाश डाला गया। इस कार्यक्रम में देश से लगभग 426 प्रतिभागियों द्वारा पंजीकरण करवाया गया था, तथा 122 प्रतिभागियों द्वारा इस ट्रेनिंग में सहभागिता की गयी। इस कार्यक्रम में मत्स्य अधिकारी, छात्र–छात्राएं, मत्स्य उद्यमी एवं किसान लोग जुड़े। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन डॉ. प्रीति मिश्रा द्वारा दिया गया। इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. माधुरी शर्मा एवं सह–समन्वयक डॉ. प्रीति मिश्रा रहीं। कार्यक्रम में विशेष सहयोग श्री मुकेश कुमार एवं छात्रों में सुजीत कुमार राय एवं शुभेंदु द्विवेदी व महाविद्यालय के कर्मचारियों का रहा।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर